भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 4577
गुरुवार, 27 मार्च, 2025/6 चैत्र, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

मोहाली, अमृतसर और हजूर साहिब (नांदेड़) के बीच हवाई संपर्क

4577. डॉ. धर्मवीर गांधी:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने सिख श्रद्धालुओं द्वारा लगातार मांग किए जाने और एसजीपीसी के हस्तक्षेप पर मोहाली, अमृतसर और हजूर साहिब (नांदेड) के बीच स्थायी और विश्वसनीय हवाई संपर्क सुनिश्चित किया है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या यह सच है कि अमृतसर-हजूर साहिब और मोहाली-हजूर साहिब के बीच उड़ानें लंबे समय से निलंबित हैं, जिससे तीर्थ यात्रियों को असुविधा हो रही है और यदि हां, तो इसके कारणों सहित ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार इन महत्वपूर्ण उड़ानों को बहाल करने और भविष्य में निलंबन को रोकने के लिए क्या सुधारात्मक कदम उठा रही है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ग): नांदेड़, अमृतसर और चंडीगढ़ (मोहाली) हवाईअड्डे आरसीएस-उड़ान योजना के प्रावधानों के अनुसार सेवित हवाईअड्डे हैं इसलिए इन हवाईअड्डों को जोड़ने वाले मार्ग इस योजना के दायरे में नहीं आते हैं।

मार्च 1994 में वायु नियम अधिनियम के निरस्त होने के साथ ही भारतीय घरेलू विमानन पूरी तरह से नियंत्रण मुक्त हो गया। एयरलाइनें किसी भी प्रकार के विमान के साथ क्षमता बढ़ाने के लिए स्वतंत्र हैं, वे जिस भी बाजार और नेटवर्क को सेवा देना चाहती हैं उसे चुनने के लिए स्वतंत्र हैं और सरकार द्वारा जारी किए गए मार्ग संवितरण दिशा-निर्देशों (आरडीजी) के अनुपालन, संबंधित हवाईअड्डा प्रचालको द्वारा आवंटित स्लॉट और डीजीसीए से अनुसूची के अनुमोदन के अनुसार परिचालन करती हैं। इसलिए, देश के किसी भी शहर से हवाई सेवाओं की शुरूआत या निरंतरता पर विचार करना एयरलाइन प्रचालक, जो उनकी परिचालन और वाणिज्यिक व्यवहार्यता पर निर्भर करता है।

******